ओम शांति मंत्र ने बदल दिया लाखों का जीवन: स्वामी चिदानंद

- ब्रह्माकुमारीज संस्था ने समाज को दिया विश्वास का कल्चर

माउण्ट आबू/आबूरोड (राजस्थान)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शांतिवन आबूरोड म चल रहे अंतरराष्ट्रीय महासम्मेलन के दूसरे दिन रशियन के कलाकारों ने नाट्य प्रस्तुत से शांति और एकता का संदेश दिया। वहीं विजयनगरम की बालिकाओं ने शिव आराधना की जोरदार प्रस्तुति से कला कौशल दिखाया। वक्ताओं ने विश्व शांति का नारा देते हुएसंस्था को 'मैक इंडिया' कहा। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीका ने सिर्फ ओम शांति के मंत्र से लाखों लोगों का विश्वास जीत लिया।

संस्थान की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर विश्व के कोने-कोन से आए हजारों सम्मेलन सहभागियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख स्वामी चिदानंद सरस्वती ने सुबह के सत्र म कहा कि आज जहां पति-पत्नी तक का आपस म विश्वास नहीं होता, वहीं दादा लेखराज ने विश्वास का ऐसा बीज बोया कि लाखों लोग जुड़ते चले गए। दादा और दादी ने 'ओम शांति' मंत्र से लाखों का हृदय परिवर्तन कर दिया। लोग कहते ह 'बदलता है जमाना अक्सर' मगर यहां कुछ ऐसे होते ह जो जमाना बदल देते ह। सरकार ने अब मेक इन इंडिया का मंत्र दिया है मगर दादा लेखराज ने बरसों पहले 'मेक इंडिया' का मंत्र दिया।

बदल सकती पत्थर की भी तकदीर

स्वामी चिदानंद ने कहा कि हर पत्थर की तकदीर बदल सकती है, शर्त है कि उसे सलीके से संवारा जाए। दादी ने देश को आत्म ऊर्जा का मंत्र दिया। जब बसंत आता है, जीवन म बहार आती है। जब कोई संत आता है। उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि यहां से जुड़ा हर सदस्य एक शौचालय बनवाए और पेड़ जरूर लगाए।

दादी को मिले नोबेल पुरस्कार: डॉ. लोकेश मुनि

समाजसुधारक, लेखक एवं कवि आचार्य डॉ. लोकेश मुनि ने कहा कि जब-जब म यहां आता हूं और दादीजी के पास बैठता हूं तो मेरी स्वयं की बैटरी चार्ज हो जाती है। नारी शक्ति द्वारा विश्व परिवर्तन का जो कार्य आबू से संचालित हो रहा है वह विश्व के अंदर कहीं नहीं हो रहा। ब्रह्माकुमारी परिवार का मंत्र है 'तेरा तो तेरा, मेरा भी तेरा।' ये बहन स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज निर्माण का कार्य कर रही ह। जो काम सरकार करोड़ों खर्च कर नहीं कर सकती वह ब्रह्माकुमारी परिवार कर रहा है। उन्होंने कहा कि दादी जानकी को भारत रत्न नहीं, नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए।

परमात्मा को अपना बना ल: दादी रतनमोहिनी

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि जैसा कर्म हम करेंगे, हम वैसा देख और करेंगे। इसलिए सदा अच्छे कर्म, सुखदायी कर्म करना चाहिए। परमात्मा को अपना पिता बनाकर उनकी बातों को जीवन म लाएं तो दामन खुशियों से भर जाएगा। इससे जहां आत्मबल बढ़ेगा वहीं खुशी भी मिलेगी।

हर चीज को पवित्रता से बढ़ाया: अनुराधा प्रसाद

न्यूज 24 की एडिटर अनुराधा प्रसाद ने कहा कि म इतने सालों बाद यहां आई हूं जो मने बहुत मिस किया। संस्था ने जो चेतना जगाई है वह विश्व की चेतना है। ब्रह्माकुमारी बहनों ने हर चीज को पवित्रता के साथआगे बढ़ाया। राष्ट्रनीति को जगाने के लिएब्रह्माकुमारीज ने बड़ा काम किया है।आज देश म 'राष्ट्रनीति' को बढ़ाने की जरूरत है।

पत्रकारिता म बदलाव की जरूरत: रैना

नवग्रह टीवी के सीईओ आर.सी रैना ने कहा कि संस्था बहुत सहज तरीके से अपना कार्य कर रही है। यहां से सभ्य समाज का निर्माण कर रही है। देह अभिमानी नहीं देही अभिमानी बन। भारत म शिक्षा, सामाजिक परिवेश, राजनीति म

बदलाव की जरूरत है। उन्होंने सवाल कि जब परमात्मा एक ह तो क्यों आज इतने मत-मतांतर, धम और मान्यताएं ह।क्यों हम एक नहीं ह। साथ ही पत्रकारिता म भी बदलाव की जरूरत बताई।

पीस ऑफ माइंड से सिखा रहे मेडिटेशन: बीके करुणा

मल्टीमीडिया चीफ राजयोगी बीके करुणा ने मल्टीमीडिया के क्षेत्र म की जा रही सेवाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज पीस ऑफ माइंड चैनल द्वारा विश्वभर म आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग मेडिटेशन का संदेश दिया जा रहा है। साथ ही प्रिंट, रेडियो और सोशल मीडिया के द्वारा समाज की हर वग को आध्यात्मिक शिक्षा दी जा रही है।

आध्यात्मिक धुन पर शांति का संदेश

कायक्रम की शुरुआत तमिलनाडू की गायिका एसजे जैनेनी ने 'झलक तुम्हारी ओ प्यारे भगवन...' गीत के साथ की। इसके बाद रशियन 'डिवाइन लाइट ग्रुप' ने आध्यात्मिक धुन पर शांति का संदेश देता नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं राजानीराजा कलाक्षेत्रम् विजयनगरम की छोटी बालिकाओं ने शिव आराधना नृत्य से अपना कला कौशल दिखाया।

ब्रहमा वत्सों एवं अतिथियों का किया सम्मान

ईश्वरीय यज्ञ म तन-मन-धन से सेवा करने वाले समपित वरिष्ठ ब्रहमा वत्सों का स्वागत मुकुट पहनाकर और शॉल ओढ़ाकर किया गया। अतिथियों का भी सम्मान किया गया। वहीं इस महासम्मेलन के आयोजक व संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके मृत्युंजय भाई का अपार उत्साह और तालियों की गडग़ड़ाहट के बीच विशेष तौर पर सम्मान किया गया।

मीडिया दिग्गजों को दिया एक्सीलस अवाड

देश व दुनिया के कोने-कोने से आईं जानी-मानी हस्तियों के बीच मीडिया के क्षेत्र म विशेष काय करने पर न्यूका 24 की एडिटर अनुराधा प्रसाद एवं बिजनेस वड के एडिटर अनुराग बत्रा को संस्था की ओर से एक्सीलस अवाड से सम्मानित किया गया। सुबह के सत्र के समापन पर त्रिची चेन्नई के श्रीरंगम भरतनाट्यम निकेतन के कलाकारों ने कितना प्यारा ये प्रभु परिवार है... गीत पर प्रस्तुति दी।समापन पर समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके अवतार भाई ने आभार जताया।

प्रबुद्ध वक्ताओं के आशीवचन

□□ दृ□ष्□ □□□ □,वैसी ही सृष्टि नजर आती है। मन को बदलने से ही परिवतन होगा। हम बदलगे तो जग बदलेगा। □□ □□□□ □□ स्□स्□ □□□ □□ □□ □□ स्□स्□ □□□□
□□. □□□प्र□□ □ड्□□, □□□□क□□, ग्लोबल हॉस्पिटल, □□□ण□ □□□

□□ □□□ □□□□□ □□□□, परमात्मा एक ह। हम एक पिता की संतान ह। संस्था समाजहित के लिएबहुत ही अच्छा काय □□ □□ी □□
□द्□श्री □□.□□ □क□□त□□□, □□□□□, □□□□ □□स्□□□, □□□म□□□

स्वयं म परिवतन के बिना कुछ भी संभव नहीं है। जब हम स्वयं म परिवतन करगे तो विश्व □ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□ □स्□□ द्□□□ □□□□ □□ □□□ □□
□□□□ □ड्□□, □□□ध्□क्ष, □□□□□□ □□ज□ □□□□□ □□□□

तेलंगाना सरकार को राजयोग शिक्षा को पाठ्यक्रम म लागू करने के लिएसलाह दूंगा। साथ ही जल्द ही इस पर एक्शन भी □□□ □□□□□
□□. □□. □□□□□□□, □□□□□□□□, □□□□□□ □□□□□

शांति का साइन करने से शांति नहीं आती है। इसके लिए अंदर से मेहनत करना पड़ती है जो यहां सिखाई जाती है कि हम स्वयं को कैसे बदल सकते ह।
माशलो बल्क, [illegible]

[illegible] **र विश्व के लिए ब्रह्माकुमारी का एक रोल मॉडल है। यहां जैसा परिवार पूरे विश्व म कहीं भी** [illegible]
[illegible]

यहां आने से मेरी बैटरी चाज हो गई। साथ ही यहां से सौ लोगों की ऊजा लेकर जा रहा हूं। यहां के लोग इतने खुश [illegible]
[illegible]

यहां जो पॉजीटिव एनर्जी मिलती है वह साथ लेकर मीडियाकर्मियों को उसे अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।
शिवानी अग्रवाल, [illegible]**, प्रज्ञा टीवी**

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय आध्यात्मिक शक्तिपुंज है। यहां आकर जो अनुभूति होती है, उसे शब्दों म बयां करना [illegible]
है और खुद को बदलने के बाद हम दुनिया को बदलने का संकल्प ले सकते ह।
- [illegible]

आंतरिक आध्यात्मिक ऊजा को जागृत करने के लिए ब्रह्माकुमारी संगठन अहम भूमिका निभा रहा है। इसम हर व्यक्ति को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने म आगे आना चाहिए।
- [illegible]